Dr Raman Kumar Thakur

Assistant professor (Guest)Department of Economics, D.B.College, Jaynagar, Madhubani.

Class:- B.A.Part-2(Gen.& Subsidiary.)Date:-31-10-2020.

Lecture n.-34.

TOPIC :- नियोजन काल में भारत का औद्योगिक विकास(INDUSTRIAL DEVELOPMENT DURING PLANING PERIOD)

→ नियोजन काल में भारत में राष्ट्रीय आय एवं प्रति व्यक्ति आय दोनों में वृद्धि हुई है। इस प्रकार पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत भारत में तीव्र आर्थिक विकास हुआ है. देश में निवेश की मात्रा एवं निवेश दर में निरंतर वृद्धि हुई है जिससे देश का आर्थिक विकास हुआ है। इस काल में इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का तेजी से विकास हुआ है इस योजना अवधि के दौरान अपनाई गई औद्योगिक नीति का उद्देश्य सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक विकास प्राप्त करना, उत्पादकता में सुधार लाना

,उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति को सुनिश्चित करना तथा उद्योगों का तकनीकी उन्नयन करना था। योजना काल में देश में उद्योगों का विकास उत्साहवर्धक रहा है विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत औद्योगिक विकास निम्न प्रकार हुआ है:-

1). प्रथम पंचवर्षीय योजना और औद्योगिक विकास(First five year plan and industrial development ,(1951-56)

:- प्रथम योजना में औद्योगिक क्षेत्र में केवल ₹177 का विनियोग किया गया जो कुल विनियोग का केवल 5% था औद्योगिक सूचकांक 1951 में 100 था जो 1955-56 में बढ़कर 139 करोड़ हो गया । सार्वजनिक क्षेत्र में ₹74 करोड़ रुपए व लघु क्षेत्र में ₹ 43 करोड़ रुपए व्यय किए गये।

2). दितीय पंचवर्षीय योजना और औद्योगिक विकास(Second five year plan and Industrial development, 1956-61):- इस योजना में सार्वजनिक क्षेत्र में तीन बड़े इस्पात कारखानों की स्थापना की गयी। ये

इस्पात कारखाने भिलाई, राउरकेला, और दुर्गापुर में लगाए गए है।

इस योजना में विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन की वृद्धि दर का लक्ष्य 10.5% प्रतिवर्ष रखा गया था लेकिन 7.25% प्रतिवर्ष ही प्राप्त किया जा सका ।

इसके अतिरिक्त सार्वजनिक क्षेत्र में उर्वरक, रेल इंजन व डिब्बे ,मशीन टूल्स, भारी रसायन, जहाज आदि का निर्माण भी आरंभ किया गया। इस योजना में कुल बे 4,672 करोड़ में से 1,125 करोड़ औद्योगिक क्षेत्र पर खर्च किए गए जो कुल व्यय का 24.1% था यह योजना 'महालनोबिस' मॉडल पर आधारित थी. जिसमें उद्योग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई थी।

3.) तृतीय पंचवर्षीय योजना और औद्योगिक विकास- 1961-66) (Third five year plan and industrial Development -1961-66)

:- तीसरी योजना में औद्योगिक उत्पादन में 9.1% प्रतिवर्ष की वृद्धि का लक्ष्य रखा गया था लेकिन

दुर्भाग्यवश इन लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सका रोजगार अवसर उत्पन्न करने के प्रयास किए गए 1962 में चीन और 1965 में पाकिस्तान के साथ युद्ध के कारण और 2 वर्षों तक लगातार सूखे के कारण यह योजना अपने निर्धारित लक्ष्यों को पूरा नहीं कर सकी . जिसके कारण लड़खड़ायी अर्थव्यवस्था में औद्योगिक मंदी का दौर आरंभ हो गया । औद्योगिक उत्पादन सूचकांक 265 था तथा वार्षिक विकास दर 9 %थी।

4) तीन वार्षिक योजनाओं में औद्योगिक विकास (1966 - 69)

(Industrial Development During Three Annual plan,1966-69)

:- तीन योजनाओं के बाद तीन वार्षिक योजनाएं अपनाई गई जिनमें कुल मिलाकर 1,510 करोड़ रुपए सार्वजनिक क्षेत्र में उद्योग एवं खनिज पर व्यय किए गये तथा औद्योगिक उत्पादन दर 2% रही। इस काल में आधारभूत एवं उत्पादक उद्योगों की विधमान क्षमताओं का पूर्ण

उपयोग करने एवं नवीन क्षमताओं का सृजन करने का प्रयास किया गया।